पाठ 16. बूझो तो जानें (केवल पढ़ने के लिए)

पाठ की भूमिका

पहेलियाँ भी एक प्रकार की साहित्यिक विधा है। ये तर्कशक्ति को बढ़ावा देती हैं। पहेलियाँ बूझना एक प्रकार से दिमागी कसरत जैसा है। इन पहेलियों के हल बताने का उद्‌देश्य बच्चों में विवरणात्मक सोच का कौशल विकसित करना है।

अध्यापन संकेत

यह मौखिक पाठ है। इसमें बच्चों को पहेलियों का उत्तर देने में उनकी सहायता करें। पाठ में दिए गए चित्र की ओर इशारा किया जा सकता है ताकि वे पूछी गई पहेलियों का उत्तर बता सकें। कुछ अन्य पहेलियाँ भी बच्चों से पूछी जा सकती हैं। इसके लिए एक खेल की भाँति एक बच्चा पहेली पूछे और अन्य बच्चा उसका उत्तर दे।